

प्रेषक,

आर. मीनाक्षी सुन्दरम्,
प्रभारी सचिव,
उत्तराखण्ड शासन।

सेवा में,

अधिकासी निदेशक,
डी.एम.एम.सी.,
सचिवालय परिसर, देहरादून।

आपदा प्रबन्धन अनुभाग-1

देहरादून: दिनांक 7 अक्टूबर, 2015

विषय:- राज्य आकस्मिकता निधि से एडवांस एयर ट्रैफिक एडवाइजरी सिस्टम (सहस्त्रधारा हैलीपैड) की स्थापना हेतु वर्ष 2015-16 में धनावंटन के सम्बन्ध में।

महोदय,

उपर्युक्त विषय के सम्बन्ध में मुझे यह कहने का निदेश हुआ है कि जनपद देहरादून में एडवांस एयर ट्रैफिक एडवाइजरी सिस्टम (सहस्त्रधारा हैलीपैड) की स्थापना हेतु ₹ 1.00 करोड़ (₹ एक करोड़ मात्र) की धनराशि राज्य आकस्मिकता निधि से अग्रिम के रूप में आहरित करने एवं उक्त धनराशि आहरित कर M/s Supreme Transport Organisation Pvt.Ltd, 5B 34 Akshay Mittal Industrial Estate MV Road, Andheri East Mumbai-400059 को भुगतान किये जाने हेतु आपके निवर्तन पर रखे जाने की निम्नलिखित शर्तों तथा प्रतिबन्धों के अधीन व्यय किये जाने की श्री राज्यपाल महोदय सहर्ष स्वीकृति प्रदान करते हैं:-

1- उक्त समस्त कार्य सचिव, राज्य आपदा प्रबन्धन प्राधिकरण एवं नागरिक उड्डयन विभाग के नियंत्रण/पर्यवेक्षण/समन्वय में सम्पन्न किया जायेगा। कार्य एवं व्यवस्थाओं पर होने वाले व्यय हेतु वित्तीय तकनीकी, प्रशासकीय स्वीकृति के सम्बन्ध में यथा आवश्यकता हाई पावर्ड कमेटी का अनुमोदन भी प्राप्त करेंगे।

2- आगणन में जिन मदों हेतु जो राशि आंकलित/स्वीकृत की गई है, व्यय उसी मद में किया जाय। एक मद की राशि का उपयोग दूसरी मदों में किसी भी दशा में न किया जाय।

3- कार्य प्रारम्भ करने से पूर्व यह सुनिश्चित कर लिया जायेगा कि उक्त कार्य हेतु किसी अन्य विभागीय बजट अथवा इस बजट से कोई धनराशि स्वीकृत नहीं की गई है। यदि स्वीकृति प्राप्त हुई है तो उसको समायोजित करते हुए अवशेष धनराशि इस धनराशि में से व्यय की जायेगी तथा अधिकासी निदेशक, डी.एम.एम.सी. द्वारा धनराशि निर्माण संस्था/विभाग को तब ही अवमुक्त की जायेगी, जब इस बात की लिखित रूप में पुष्टि हो जायें।

4- कार्य की गुणवत्ता एवं समयबद्धता के लिए संबंधित निर्माण एजेन्सी पूर्ण रूप से उत्तरदायी होगी।

5- कार्य स्वीकृत लागत में पूर्ण कर लिये जायेंगे और लागत में कोई पुनरीक्षण अनुमन्य नहीं होगा।

6- कार्य प्रारम्भ करने एवं कार्य सम्पन्न होने के पूर्व क्षतिग्रस्त कार्ययोजनाओं की फोटो ली जायेगी। कार्य की सत्यता एवं गुणवत्ता का प्रमाणीकरण सचिव, राज्य आपदा प्रबन्धन प्राधिकरण एवं नागरिक उड्डयन विभाग द्वारा किया जायेगा। तदनुसार ही कार्यदायी संस्था को भुगतान किया जायेगा।



(12)

7- अधिशासी निदेशक, डी.एम.एम.सी. द्वारा प्रत्येक कार्य की भौतिक एवं वित्तीय प्रगति के साथ प्रत्येक माह की 10 तारीख तक उपयोगिता प्रमाण पत्र शासन को प्रेषित किया जायेगा।

2- इस सम्बन्ध में होने वाला व्यय प्रथम: लेखाशीर्षक-8000-आकस्मिकता निधि-राज्य आकस्मिकता निधि-लेखा-201-समेकित निधि के निवियोजन के अन्तर्गत वित्तीय वर्ष 2015-16 के आय-व्यय अनुदान संख्या-6 के लेखाशीर्षक-2245-प्राकृतिक विपत्तियों के कारण राहत-80-सामान्य(आयोजनागत/मतदेय)-03-आपदा प्रबन्धन प्राधिकरण-42 अन्य व्यय मद के नामे डाला जायेगा।

भवदीय,

(आर. मीनाक्षी सुन्दरम्)
प्रभारी सचिव

रा0आ0निधि संख्या-80(ii)/XXVII(1)/2015, दि0 06.10.2015।

प्रतिलिपि महालेखाकार, उत्तराखण्ड (लेखा एवं हकदारी) ओबैराय मोटर्स बिल्डिंग, माजरा, देहरादून को एक अतिरिक्त प्रति सहित सूचनार्थ एवं आवश्यक कार्यवाही हेतु प्रेषित।

आज्ञा से,

(श्रीधर बाबू अददांकी)
अपर सचिव।

संख्या-3548 (1)/XVIII-(2)/15-12(16)/2015, तददिनांक।

प्रतिलिपि निम्नलिखित को सूचनार्थ एवं आवश्यक कार्यवाही हेतु प्रेषित:-

- 1- प्रमुख सचिव, मा0 मुख्यमंत्री, उत्तराखण्ड शासन।
- 2- निजी सचिव, मुख्य सचिव, उत्तराखण्ड शासन को मुख्य सचिव महोदय के संज्ञानार्थ
- 3- सचिव, राज्य आपदा प्रबन्धन प्राधिकरण, उत्तराखण्ड शासन।
- 4- सचिव/निदेशक, नागरिक उड्डयन विभाग, उत्तराखण्ड शासन।
- 5- आयुक्त, गढ़वाल मण्डल, पौड़ी गढ़वाल।
- 6- मुख्य/वरिष्ठ कोषाधिकारी, देहरादून।
- 7- निदेशक, कोषागार, 23, लक्ष्मी रोड, डालनवाला, देहरादून।
- 8- बजट अधिकारी, बजट राजकोषीय नियोजन एवं संसाधन निदेशालय उत्तराखण्ड।
- 9- राज्य सूचना अधिकारी, एन.आई.सी. सचिवालय परिसर, देहरादून।
- 10- वित्त अनुभाग-5 एवं 01, उत्तराखण्ड शासन।
- 11- गार्ड फाइल।

(आर. मीनाक्षी सुन्दरम्)
प्रभारी सचिव